Website:- www.dipronline.org
email:- projjn@rediffmail.com,

राजस्थान सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय,झुंझुनू

गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये - मीणा

झुंझुनू, 8 मार्चः जिले के प्रभारी एवं सहकारिता मंत्री परसादी लाल मीणा ने विद्युत एवं पेयजल विभाग के अधिकारियों से कहा है कि आने वाले गर्मी के मौसम में तीन महीने तक पेयजल आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इसे चुनौती के रूप में स्वीकार करें और आमजन को पीने का पानी मुहैया कराने में किसी तरह की कोताही नहीं बरतें ताकि लोगों को पानी की समस्या से जूझना नहीं पड़े। उन्होंने कहा कि पेयजल कार्यो के लिए पैसे की कमी कहीं भी आड़े नहीं आयेगी। वे सोमवार को यहां कलेक्ट्रेट सभा भवन में बिजली, पानी, मौसमी बीमारियों एवं अन्य विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिले में कुओं का जल स्तर नीचे चला गया है और वर्षा की भी कमी रही है, जिसके कारण हमें बहुत ही सजगता और आपसी ताल-मेल के साथ कार्य करना होगा। विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति के कार्यो में कोताही और शिथिलता को किसी भी स्तर पर बर्दशात नहीं किय जायेगा और जहां कहीं भी पेयजल और विद्युत आपूर्ति की अनियमितता को लेकर धरने व प्रदर्शन आदि होंगे तो उसके लिए वहां के उपखण्ड अधिकारी जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि पेयजल सम्बन्धी सभी स्वीकृत कार्य 31 मार्च तक पूर्ण होने के बाद उन पर विद्युत कनेक्शन भी हो जाने चाहिएं, ताकि इन पेयजल स्रोतों का लाभ आमजन को इसी गर्मी के मौसम में मिल सके। उन्होंने विद्युत निगम के अधिकारियों से कहा कि पेयजल स्रोतों के बकाया एवं सिंगल फेस के कनेक्शन भी बिना किसी हिचकिचाहट के अविलम्ब किये जायें।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि जिन गांवों में टैंकरों से पेयजल आपूर्ति की जाती हैं वहां 6-7 हजार लीटर की क्षमता वाली सीमेन्ट की टंकिया बनाई जायें और उनमें टैंकर या पेयजल स्रोत के माध्यम से पानी भरा जाये ताकि ग्रामीण उसका उपयोग भी कर सकें। इन टंकियों के पास पशुओं के पीने के लिए छोटी खेळी भी बनाई जायें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जहां कहीं भी पीने के पानी की मांग की जाती है वहां टैंकर के जरिये पानी पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि अकाल राहत के तहत भी जिले को 206 लाख रूपये की राशि आवंटित की गई है। इस राशि से भी सिंगल फेस के नलकूप बनवाने के प्रयास किये जाएंगे। उन्होंने नरेगा एवं अकाल राहत कार्यो पर श्रमिक संख्या बढ़ाने, मौसमी बीमारियों पर सतत्‌ निगरानी रखने, गेहूं और चीनी का समय पर वितरण करने, 127 विद्यालयों में अविलम्ब विद्युत कनेक्शन जारी करने, मिड-डे-मील योजना में समय पर पोषाहार वितरण करने, मुख्यमंत्री सबके लिए विद्युत योजना में वांछित ढाणियों व

अन्य आवेदकों को 31 मार्च तक विद्युत कनेक्शन जारी करने, उपभोक्ता भण्डार की दुकानों पर सस्ती दर पर दाल व आटा उपलब्ध कराने, चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों को ड्यूटी मुख्यालय पर उपस्थित रहने, दवाओं एवं एम्बुलेन्स की उपलब्धता बनाये रखने, पेयजल से सम्बन्धित शिकायतों का अविलम्ब निराकरण करने, सांसद एवं विधायक कोटे से बने पेयजल स्रोतों के विद्युत कनेक्शन जारी करने, खराब पड़े हैण्ड पम्पों को जल्द ठीक करने, चूरू-बिसाऊ आपणी योजना के लीकेज को ठीक करवाने, पेयजल के अवैध कनेक्शनों को हटाने, युद्ध स्तर पर बिजली व पानी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने जैसे आवश्यक दिशा निर्देश भी सम्बन्धित अधिकारियों को दिये।

जिला कलेक्टर आलोक गुप्ता ने प्रभारी मंत्री को विश्वास दिलाया कि गर्मी के मौसम में पेयजल और विद्युत आपूर्ति को सुनिश्चित किया जायेगा तथा पेयजल स्रोतों के बकाया विद्युत कनेक्शन भी 31 मार्च तक करवा लिये जाएंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि वे टीम भावना के साथ दोनों ही व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त रखने के प्रयास करें और उपखण्ड अधिकारी जब भी गांवों में दौरे पर जायें तो वे इन व्यवस्थाओं की आपूर्ति के बारे में ग्रामीणों से बातचीत भी करें तथा शिकायतें प्राप्त होने पर सम्बन्धित से उनका निराकरण भी करवाएं।

जिला प्रमुख डॉ. हनुमान प्रसाद ने भी गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति को विशेष प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों की बात को विशेष तवजों दी जानी चाहिए और जहां कहीं भी आवश्यकता पड़ेगी वहां जन प्रतिनिधि भी प्रशासन और सरकार का भरपूर सहयोग करेंगे। बैठक में जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता आई.डी. खान और विद्युत वितरण निगम के संभागीय मुख्य अभियन्ता बी.एल. माहेश्वरी व अधीक्षण अभियन्ता एम.एस. खमेसरा ने विभागीय योजनाओं के कार्यो की प्रगति से अवगत कराया तथा विश्वास दिलाया कि वे गर्मी में इन व्यवस्थाओं को दुरूस्त बनाये रखने के हर संभव प्रयास करेंगे।

बैठक में जिला प्रमुख हनुमान प्रसाद, खेतड़ी पंचायत समिति के प्रधान बजरंग सिंह चारावास, झुंझुनू की सुशीला सीगड़ा और अलसीसर की प्रधान बरजी देवी ने भी अपने-अपने क्षेत्र की पेयजल, विद्युत एवं चिकित्सा सम्बन्धी समस्याओं से प्रभारी मंत्री को अवगत कराया। प्रभारी मंत्री एवं जिला कलेक्टर ने मौके पर ही जन प्रतिनिधियों की शिकायतों का अविलम्ब निराकरण करने के लिए सम्बन्धित को निर्देश दिये। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक अजयपाल लाम्बा, अपर कलेक्टर के.एल. मीणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी.एम. काला, ए.सी.ई.ओ. जे.एन. मथूरिया, खेतड़ी के उपखण्ड अधिकारी डॉ. भागचन्द बधाल, नवलगढ़ के राजपाल सिंह, उदयपुरवाटी के बिहारीलाल मीणा, झुंझुनू के नरेन्द्र कुमार कोठारी, जिले के विकास अधिकारी, नगर पालिकाओं के अधिशासी अधिकारी व जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

नव जीवन योजना का 8 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ

झुंझुनू, 8 मार्चः जिले में अवैध शराब के कारोबार से जुड़े व्यक्तियों को नव जीवन योजना में लाभान्वित करने के लिए सोमवार को आबकारी विभाग की ओर से आबूसर स्थित ग्रामीण हाट में 8 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया। प्रशिक्षण का शुभारम्भ अपर कलेक्टर के.एल. मीणा ने करते हुए प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वे योजना के उदेश्य को भली-भांति समझकर शराब की बजाय अन्य कारोबार से जुड़े ताकि उनका जीवन स्तर सुधर सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि कच्ची शराब बनाने वाले व बेचने वाले व्यक्तियों को नव जीवन योजना में ऋण उपलब्ध कराकर लाभान्वित किया जाये।

नव जीवन योजना के प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता आबकारी अधिकारी दुर्गाप्रसाद मीणा ने की। प्रशिक्षण के दौरान उद्योग केन्द्र के महाप्रबन्ध मनीराम, खादी ग्रामोद्योग के सहायक निदेशक विद्याधर सिंह, जिला पर्यावरण सुधार समिति के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, आबकारी निरीक्षण खेतड़ी के डॉ. सत्यवीर सिंह, झुंझुनू की अर्चना जानू आदि उपस्थित थे। अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को औद्योगिक गतिविधियों के लिए ऋण उपलब्ध कराने एवं विभागीय योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण में आये युवकों को नेहरू युवा विकास संस्थान सीगड़ा, शेखावाटी ग्रामीण विकास सेवा संस्थान कासिमपुरा, स्कोप पिलानी तथा शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति के माध्यम से आगामी 17 मार्च तक प्रशिक्षण दिया जायेगा।